प्रतिभागियों के साथ कार्यक्रम के अतिथि।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

गोहाना, 11 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा समाज कार्य शिक्षकों के लिए आयोजित सामाजिक सुरक्षा पर सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान के सहयोग से सामाजिक चेतना जागृत करने के संकल्प से आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हो गया जिसकी अध्यक्षता समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू पंवार ने की। कार्यक्रम के अंतिम दिन के पहले सत्र में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के पूर्व निदेशक जन संपर्क व पत्रकारिता विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनीत मुखर्जी ने सामाजिक सुरक्षा में मीडिया और नेटवर्क की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में जिला कार्यक्रम अधिकारी सोनीपत दिलबाग ने गरीबी उन्मूलन और भिक्षावृत्ति की रोकथाम में सामाजिक कार्य शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने बताया की लोगों का अशिक्षित तथा जागरूकता में कमी होना भी समाज में गरीबी तथा भिक्षावृति को बढ़ावा देती है। सामाजिक विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रोफेसर रवि भूषण ने सभी प्रतिभागियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने पर धन्यवाद भी दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व आयोजक।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

गोहाना, 11 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन विधि विभाग के सभागार में किया। संयोजन छात्र कल्याण अधिष्ठाता, हिंदी एवं विधि विभाग का रहा जिसकी अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। कार्यक्रम के बीज वक्तव्य के रूप बी आर अंबेडकर चेयर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने शिरकत कर छात्राओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ विधि विभाग प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले पर एक लघु नाटिका मंचन के द्वारा हुआ। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले न केवल एक समाज सुधारक थे अपितु एक शिक्षाविद और लेखक भी थे। 19 वीं शताब्दी में जब समाज जाति और लैंगिक भेदभाव जूझ रहा था, तक ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय , शिक्षा और समानता के लिए निर्णायक आंदोलन खड़ा किया था। डॉ. प्रीतम ने जाति प्रथा उन्मूलन, सती प्रथा, दहेज प्रथा, नारी शिक्षा आदि पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे ज्योतिबा फुले ने प्रथम बार महाराष्ट्र के पुणे में नारी शिक्षा हेतु एक विद्यालय का प्रारंभ किया। प्रोफेसर श्वेता हुड्डा डॉ. सीमा दहिया प्रो. मूर्ति मलिक, डॉ. अशोक, डॉ. संध्या, डॉ. पूजा, डॉक्टर स्वीटी, डॉ. आनंद, डॉ. संजीव, डॉक्टर राजेश, डॉ. स्नेह, डॉ. दुर्गेश, डॉ. कमल, डॉ. कुलदीप, रविंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

समाज सुधारक के साथ लेखक-शिक्षाविद भी थे फुले

गोहाना मुद्रिका एप, 11 अप्रैल : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता, हिंदी एवं विधि विभाग के संयोजन से कार्यक्रम का आयोजन विधि विभाग के सभागार में किया गया। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की। मुख्य वक्ता डॉ. बी.आर. अंबेडकर चेयर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ प्रीतम सिंह रहे।

शुभारंभ विधि विभाग के प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले पर एक लघु नाटिका मंचन के द्वारा हुआ। प्रो सुदेश ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले न केवल एक समाज सुधारक थे अपितु एक शिक्षाविद और लेखक भी थे। 19 वीं शताब्दी में जब समाज जाति और लैंगिक भेदभाव जूझ रहा था, तक ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता के लिए निर्णायक आंदोलन खड़ा किया था।

डॉ. प्रीतम सिंह ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने प्रथम बार महाराष्ट्र के पुणे में नारी शिक्षा हेतु एक विद्यालय का प्रारंभ किया। समाज में नारी शिक्षा को लेकर प्रबल विरोध के बावजूद भी उन्होंने उस क्षेत्र में अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर अथक मेहनत व प्रयत्न किया।

पंजाब केसरी
SAT,12 APRIL 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

संवेदी समाज बनाने में मीडिया की विशेष भूमिका : डॉ. मुखर्जी

गोहाना, 11 अप्रैल (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा समाज कार्य शिक्षकों के लिए आयोजित 'सामाजिक सुरक्षा' पर सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान के सहयोग से सामाजिक चेतना जागृत करने के संकल्प से आयोजित 3 दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। अध्यक्षता समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने की।

अंतिम दिन के पहले सत्र में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक के पूर्व निदेशक जन संपर्क व पत्रकारिता विभाग के सहायक प्रोफैसर डॉ. सुनीत मुखर्जी ने 'सामाजिक सुरक्षा में मीडिया और नैटवर्क की भूमिका' पर प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र में अतिथियों के साथ छात्राएं। (अरोड़ा)

उन्होंने कहा कि बेहतर, संवेदी समाज बनाने में मीडिया की विशेष भूमिका है। विभिन्न मीडिया टूल्स के उपयोग द्वारा सामाजिक कार्यों का रास्ता प्रशस्त किया जा सकता है।

दूसरे सत्र में जिला कार्यक्रम अधिकारी सोनीपत दिलबाग सिंह ने 'गरीबी उन्मूलन और भिक्षावृत्ति की रोकथाम में सामाजिक कार्य शिक्षा की भूमिका' पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि लोगों का अशिक्षित तथा जागरूकता में कमी होना भी समाज में गरीबी तथा भिक्षावृत्ति को बढ़ावा देती है।

सरकार द्वारा लोगों की जीवन गुणवत्ता के विकास के लिए बहुत-सी योजनाओं को लाया गया है। समाज से भिक्षावृत्ति तथा गरीबी को हटाने के लिए सामाजिक कार्यकर्त्ता लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं पुनर्वास जैसी सेवाएं दे सकते हैं।

सामाजिक विज्ञान संकाय अधिष्ठाता डॉ. रवि भूषण ने 3 दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन भाषण दिया गया।

पंजाब केसरी
SAT, 12 APRIL 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

समाज सुधारक के साथ लेखक-शिक्षाविद भी थे ज्योतिबा फुले : प्रो. सुदेश

प्रो. सुदेश और डॉ. प्रीतम सिंह के साथ विधि विभाग की छात्राएं। (अरोड़ा)

गोहाना, 11 अप्रैल (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता, हिंदी एवं विधि विभाग के संयोजन से कार्यक्रम का आयोजन विधि विभाग के सभागार में किया गया।

अध्यक्षता महिला विश्व-विद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने की। मुख्य वक्ता डॉ. बी.आर. अंबेडकर चेयर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह रहे।

शुभारंभ विधि विभाग के प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले पर एक लघु नाटिका मंचन द्वारा हुआ। प्रो. सुदेश ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले न केवल एक समाज सुधारक थे अपितु एक शिक्षाविद और लेखक भी थे। 19वीं शताब्दी में जब समाज जाति और लैंगिक भेदभाव जूझ रहा था, तब ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता के लिए निर्णायक आंदोलन खड़ा किया था।

डॉ. प्रीतम सिंह ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने प्रथम बार महाराष्ट्र के पुणे में नारी शिक्षा हेतु एक विद्यालय का प्रारंभ किया। समाज में नारी शिक्षा को लेकर प्रबल विरोध के बावजूद भी उन्होंने उस क्षेत्र में अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर अथक मेहनत व प्रयत्न किया।

इस अवसर पर प्रो. श्वेता हुड्डा, डॉ सीमा दहिया, प्रो. मूर्ति मलिक ने आदि भी उपस्थित रहे।

महिला विवि में जयंती पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

ज्योतिबा प्रसिद्ध समाज सुधारक थे : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां में शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता, हिंदी एवं विधि विभाग के संयोजन से यह कार्यक्रम विधि विभाग के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। प्रो. सुदेश ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले न केवल एक समाज सुधारक थे अपितु एक शिक्षाविद् और लेखक भी थे। 19वीं शताब्दी में जब समाज जाति और लैंगिक भेदभाव से जूझ रहा था तब ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता के लिए निर्णायक आंदोलन खड़ा किया था। कुलपति प्रो. सुदेश ने भगत फूल सिंह जी को उत्तर भारत का महात्मा ज्योतिबा फुले बताया। बीज वक्तव्य बीआर अंबेडकर चेयर कुरुक्षेत्र विवि के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने दिया। वे बोले कि ज्योतिबा फुले ने प्रथम बार महाराष्ट्र के पुणे में नारी शिक्षा हेतु एक विद्यालय का प्रारंभ किया। निदेशक छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. सीता हुड्डा ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं का परिचय विधि विभाग अध्यक्ष डॉ. सीमा ने करवाया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रो. मूर्ति नीलक ने किया। कार्यक्रम में विधि विभाग प्रथम वर्ष की छात्राओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्रीबाई फुले पर एक लघु नाटिका का मंचन किया। कार्यक्रम में डॉ. अशोक, डॉ. संध्या, डॉ. पूजा, डॉ. स्वीटी, डॉ. आनंद, डॉ. संजीव, डॉ. राजेश, डॉ. स्नेह, डॉ. दुर्गेश, डॉ. कमल, डॉ. कुलदीप व रविंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

गोहाना। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व आयोजक। फोटो : हरिभूमि

बेहतर समाज के निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका : सुनीत मुखर्जी

गोहाना|भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कला में शुक्रवार को समाज कार्य विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक सुरक्षा पर आधारित था। कार्यक्रम आयोजन सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के पूर्व निदेशक जन संपर्क और पत्रकारिता विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनीत मुखर्जी ने मीडिया और नेटवर्क की भूमिका पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर और संवेदनशील समाज के निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका है। मीडिया टूल्स के माध्यम से सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाया जा सकता है।जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलबाग ने गरीबी उन्मूलन और भिक्षावृत्ति की रोकथाम में सामाजिक कार्य शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अशिक्षा और जागरूकता की कमी समाज में गरीबी और भिक्षावृत्ति को बढ़ावा देती है।

न्यूज डायरी

संवेदी समाज बनाने में मीडिया अहम : डॉ. सुनीत

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में समाज कार्य विभाग की ओर से सामाजिक जागरूकता विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान ने अपना सहयोग दिया। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के जनसंपर्क व पत्रकारिता विभाग के पूर्व निदेशक डॉ. सुनीत मुखर्जी ने सामाजिक सुरक्षा में मीडिया और नेटवर्क की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बेहतर व संवेदी समाज बनाने में मीडिया की विशेष भूमिका है। उन्होंने कहा कि लोगों में शिक्षा और जागरूकता की कमी होना भी समाज में गरीबी व भिक्षावृत्ति को बढ़ावा देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने की। संवाद

'संवेदी समाज बनाने में मीडिया की विशेष भूमिका'

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के समाज कार्य विभाग में सामाजिक जागरूकता विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान का सहयोग रहा। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के पूर्व निदेशक जनसंपर्क व पत्रकारिता विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. सुनीत मुखर्जी ने सामाजिक सुरक्षा में मीडिया और नेटवर्क की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की बेहतर व संवेदी समाज बनाने के लिए मीडिया की विशेष भूमिका है। विभिन्न मीडिया टूल्स के उपयोग द्वारा सामाजिक कार्यों का रास्ता प्रशस्त किया जा सकता है। जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलबाग ने

कार्यक्रम में प्रतिभागी वक्ताओं के साथ में • सौ. प्रवक्ता

गरीबी उन्मूलन और भिक्षावृत्ति की रोकथाम में सामाजिक कार्य शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि लोगों का अशिक्षित और जागरूकता में कमी होना भी समाज में गरीबी व भिक्षावृत्ति को बढ़ावा देती है। सामाजिक विज्ञान संकाय अधिष्ठाता प्रो. रवि भूषण ने कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों को सामाजिक जागरूकता की दिशा में काम करना चाहिए। अध्यक्षता समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पंवार ने की।